बे.चर.पर्चाला बे.चर.चर्चाला बे.चर. শ্র্মাণ • to extend metaphorically; to nominally designate; to be (in a manner of speaking) • (upa-√car): {PV,PU} upacārāt; {PU} upacāreņa > ५कॅषाया हो ५ पर्ते हिराने पर শ্বশ্ব্যাম্প্র প্রাম্থ্য Since there is no purpose (prayojana), [it] is not to be extended metaphorically. {DPV-D} • श्लि.८८.वर्षट.८८.विवाय. गर्या ग्री श से द राये द र ते हो है । में ता तर्या म त्ते ले पर ग्रम्याय प्राया अर्केम मा As for the actuality of the indivisibility of body, speech, and mind [of all buddhas], it is supreme since [that is] the metaphorical extension of the fruit to the cause. {PU} • ব্রি.অম্নাম্নামান্ত্রাম্ ম'নন্বির'দ্বি By metaphorical extension, [this is done] as with the previous [meditation]. (PU) • दॅर्-र्यण-तृ-बेर्-य-क्रीर्-यर-सर्द्-पति ने पर म्यापाया प्राप्त स्था या विदानि By the extension of [this to] the generation of Amitābha, it is as the previous [visualization]. {PU} • पर्ने : इस्राया ग्री: हिरारे : पर्हे द : वे : व : वे : व : वि : वे : व : वि : वे : व : वि : वे : व : व तर. थे. पर. परे बाका तका थी है. प्रवृथ मधिवाका ন. ঘপ্ত এ. এ. মৃ. বৈ. এরি ৮. বৈ. ধিএ। প. সু. ই'র্ম'ন্য Because the samādhis of those are [only] nominally designated as different, [they] are called "The Vajra Body, Speech, and Mind of All Tathagatas." (PU)

श्रृत् तर्द्रेषाय। श्रृत् त्रिण्या स्रिण्या स

पहें ब 'ब्रब' म्याया ० to be dependently imputed

ह 'क्रुन्' तर्ने गाया ह 'क्रुन्' तत् गया ह 'क्रुन्' गन्गया ॰ to conventionally designate ► ने' क्रे'क्के 'तते 'श्चेन्' राज्या क्रुन्' तर्ने गया प्रति गावी धेद्रा That is the basis of conventionally designating "the birth state." (YJD)

न्याया ॰ to convert; to bind to vows

सव तर्देग्या सव निम्मया सव मिन्मया • to help; to benefit •  $(anu-\sqrt{grah})$ :  $\{C, MSA, MV\}$ anugraha; {MSA} anugraha-kṛt; {C} anugṛhītavya (= phan gdags par bya ba); {PW8-H} anugrahāya (= phan gdags par bya) ० देवे.क.ज.लब.पर्याषाच्याचात्राच्याच्या Since it helps a part of that, it is called such, [a partial concordance with definite discrimination]. {SGP} • देवै:ह्रेष-सु-तह्रम्-ध-त्य-त्य-ह-स्रव.चीर्चाषा.रापु.खुर.क्षचेषा.राय.खुर.रा.ये... It [one] becomes attached [to someone] because of benefitting in response to [their] compliance with this [desire], ... {A4C-C} • দ্বীশাৰ্ यर्वाय.तर.वी.च.इश्रय.ज.लय.चर्चाय.तर. অম্বর্থুমা By this, I will also help those who are in need. {A4C-C}

…ब्रेष' पर्देग्राथा …ब्रेष' प्रमण्या …ब्रेष' गुर्गाथा ॰ to be an established fact that ...

ऑन्तर शुः तर्ने मुन्ना ऑन्त्र शुः नितृ मुन्ना ऑन्त्र । ऑन्तर शुः नितृ मुन्ना व्याप्त के शिक्षि । Parikalpita के ऑन्तर शुः नितृ मुन्ना व्याप्त व्याप्त । Even if [the "self"] is something imputed, ... {BMH} मुन्ना नित्र नित्र नित्र मुन्ना व्याप्त । कि सिन्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त । कि सिन्त व्याप्त व्याप्त । कि सिन्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त । कि सिन्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त । कि सिन्त व्याप्त व्यापत व्यापत